केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 295 बुधवार 20 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

फंदे से लटका मिला युवक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र के सुवरहा गांव में मंगलवार सुबह एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे की कुंडी से लटकता हुआ पाया गया। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, सुवरहा गांव निवासी 40 वर्षीय कुलदीप शर्मा मजदूरी करते थे। उनके चार बच्चे हैं। मंगलवार सुबह करीब सात बजे परिवार के सदस्यों ने कुलदीप का शव घर के कमरे में रस्सी के सहारे फंदे से लटकता देखा। यह दृश्य देखते ही परिजनों में चीख–पुकार मच गई और गांव के लोग मौके पर जमा हो गए।

परिजनों की सूचना पर दुबौलिया थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक कलह की बात सामने आ रही है।

ग्रामीणों के मुताबिक, घटना से एक दिन पहले पति–पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद से कुलदीप काफी परेशान बताए जा रहे थे। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। दुबौलिया पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डीजल, पेट्रोल का संकट गहराया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनपद में पेट्रोल और डीजल का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक अधिकांश पेट्रोल पंपों पर ईंधन की कमी के कारण आम लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कई पंपों पर तेल पूरी तरह समाप्त हो चुका है, जबकि कुछ स्थानों पर सीमित मात्रा में ही आपूर्ति की जा रही है।

वाहन चालकों को अपनी जरूरत के अनुसार तेल प्राप्त करने के लिए घंटों कतारों में खड़ा रहना पड़ रहा है। पंप संचालकों ने सीमित स्टॉक को देखते हुए बाइक सवारों को अधिकतम 200 रुपये और कार चालकों को 1000 रुपये तक का ही पेट्रोल देने का निर्णय लिया है।

मंगलवार सुबह शहर के नवयुग पेट्रोल पंप पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में लोग पेट्रोल भरवाने पहुंचे, जिससे भीड़ में इजाफा हुआ। ब्लॉक रोड स्थित एचपी पेट्रोल पंप पर भी दिनभर ऐसी ही स्थिति बनी रही और कई लोगों को बिना तेल लिए वापस लौटना पड़ा। जिले में कुल 183 पेट्रोल पंप संचालित हैं। सोमवार को इनमें से 16 पंपों पर पेट्रोल उपलब्ध नहीं था। मंगलवार को भी स्थिति लगभग समान बनी रही, जिससे संकट और गहरा गया है। इस पेट्रोल संकट का सीधा असर परिवहन व्यवस्था, दैनिक आवागमन और व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ रहा है।

साबुन-तेल से लेकर बिस्किट तक सब होगा महंगा?

नई दिल्ली (आभा)। पेट्रोल–डीजल की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की तेजी अब आम लोगों की जेब पर बड़ा असर डाल सकती है। खासकर रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले सामान जैसे साबुन, तेल, शैंपू, बिस्किट, पैकेज्ड फूड और अन्य घरेलू उत्पाद महंगे होने की आशंका बढ़ गई है। एक्सपर्ट का मानना है कि वेस्ट एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण कंपनियों की लागत तेजी से बढ़ रही है, जिसका असर अब ग्राहकों तक पहुंच सकता है।

दरअसल ईएमसीजी कंपनियों की लागत का बड़ा हिस्सा पैकेजिंग, ट्रांसपोर्ट और सप्लाई चेन पर निर्भर करता है। प्लास्टिक पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाले कई कच्चे माल सीधे क्रूड ऑयल से जुड़े होते हैं। ऐसे में तेल की कीमत बढ़ने का असर पैकेजिंग लागत पर तुरंत पड़ता है। इसके अलावा डीजल और पेट्रोल महंगे होने से ट्रांसपोर्ट खर्च भी बढ़ जाता है, जिससे कंपनियों का कुल खर्च और बढ़ जाता है।

मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि शुरुआत में कंपनियां लागत बचाने के लिए छोटे पैक, कम मात्रा या सप्लाई चेन ऑप्टिमाइजेशन जैसे कदम उठा सकती हैं। लेकिन, अगर महंगाई लंबे समय तक बनी रही तो कंपनियों के पास कीमतें बढ़ाने के अलावा ज्यादा विकल्प नहीं बचेंगे। इसका सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि बड़ी ईएमसीजी कंपनियां इस स्थिति को छोटे ब्रांड्स की तुलना में बेहतर तरीके से संभाल सकती हैं। बड़ी कंपनियों के पास मजबूत सप्लाई नेटवर्क, बेहतर खरीद क्षमता और ज्यादा ब्रांड पावर होती है, जिससे वे कुछ समय तक बढ़ती लागत को खुद झेल सकती हैं। वहीं छोटे और क्षेत्रीय ब्रांड्स के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण बन सकती है। कई छोटे ब्रांड्स को अपने प्रॉफिट मार्जिन बचाने के लिए या तो कीमतें बढ़ानी पड़ेंगी या बाजार में प्रतिस्पर्धा कम करनी पड़ेगी।

इस महंगाई का असर सिर्फ कंपनियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ग्राहकों की खरीदारी क्षमता पर भी पड़ेगा। पेट्रोल, डीजल और गैस महंगे होने से पहले ही घरेलू बजट दबाव में है। ऐसे में अगर थ्डब्ळ उत्पादों की कीमतें भी बढ़ती हैं, तो लोग गैर–जरूरी खरीदारी कम कर सकते हैं।

जमीन पर जबरिया कब्जे की कोशिशः धमकी देने के मामले में एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा क्षेत्र के अमरौली शुमाली निवासी राम चन्दर पुत्र राम सुमिरन ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर उसकी जमीन पर जबरिया कब्जा करने के प्रयास, हरा पेड़ काट लेने के मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

एसपी को दिये पत्र में राम चन्दर ने कहा है कि घर से बाहर रहकर परिवार का भरण पोषण करता है। चकबंदी विभाग द्वारा उसका चक संख्या 1425 व 1421 कायम किया गया जिसमें न्याय न होने पर उसने उच्चाधिकारियों को शिकायत दर्ज कराया। वह अपनी माता को लेकर दवा कराने बस्ती आया था। मंगलवार की सुबह उसकी गैर मोजूदगी में गाँव के बृजेश पुत्र अज्ञात, राममणि पुत्र राम बचन, श्याममणि पुत्र राम बचन, संजय पुत्र राम बचन, सूरज पुत्र राम बचन, जिलाजीत पुत्र बाबूलाल, अमर चन्द्र पुत्र बाबूलाल, शत्रुधन पुत्र बाबूलाल, रघुपति पुत्र राम सागर, रमेश पुत्र राम सागर, राज बिहारी पुत्र राम सागर आदि ने उसकी जमीन को जबरजस्ती जोतकर व लगे हुऐ हरे पेड़ को काटकर कब्जा कर लिया है। जबकि इस जमीन का मामला अभी कोर्ट में चल रहा है । इस सम्बन्ध में मुख्यमंत्री जी के यहाँ भी प्राथन पत्र दिया जा चुका है जो अभी लम्बित है। इसके पहले भी उक्त लोग उसकी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर चुके है मार–पीट भी हो चुका है जिसका एफ०आई०आर० भी उपरोक्त नामो मे से कुछ लोगो पर दर्ज है। उक्त लोग आये दिन विवाद करते रहते है और जान से मारने की धमकी देते हैं। इस जमीन पर लगे हुये नल सहन का प्रयोग करने में उसे भी कठिनाई हो रही है इस गर्मी में पानी पीना भी दुसवार हो गया है। घटना की सूचना 112 नम्बर पर भी दिया गया है। पत्र में राम चन्दर ने कहा है घर मे परिवार की महिलाओं के साथ उसकी गैर मौजूदगी में अभद्रता का व्यवहार किया जाता है। उसने जबरिया जमीन पर कब्जा करने की कोशिश और धमकी देने के मामले में दोषियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही के साथ ही अपने जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

निजी अस्पताल में प्रसूता की मौतःपरिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर के एक निजी अस्पताल में प्रसव के बाद एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मुंडेरवा थाना क्षेत्र के जगदीशपुर मंझरिया निवासी बृजेश चौधरी की 25 वर्षीय पत्नी अल्का वर्मा को प्रसव पीड़ा होने पर रविवार को बस्ती शहर स्थित केडी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। रविवार दोपहर डॉक्टरों ने ऑपरेशन के माध्यम से प्रसव कराया, जिसमें अल्का ने एक बच्ची को जन्म दिया। परिजनों के अनुसार, ऑपरेशन के बाद जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ थे। हालांकि, सोमवार शाम करीब छह बजे अल्का की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी और उसके मुंह से झाग निकलने लगा। हालत गंभीर होने पर अस्पताल प्रशासन ने उसे तत्काल कृष्णा मिशन अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन एंबुलेंस से अल्का को कृष्णा मिशन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रसूता की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। देर रात बड़ी संख्या में ग्रामीण और रिश्तेदार केडी हॉस्पिटल पहुंच गए। उन्होंने अस्पताल प्रशासन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मंगलवार को पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना से नवजात बच्ची के सिर से मां का साया उठ गया है, जिससे परिवार में मातम पसरा हुआ है।

डीएम ने किया पर्यटन विभाग द्वारा कराये जा रहे विकास कार्यों का औचक निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना ने विकास खण्ड सदर के अन्तर्गत बाबा भदेश्वरनाथ मंदिर, महादेवा स्थित रामजानकी मंदिर, हर्रैया के अन्तर्गत ग्राम परिवारपुर परमहंस धाम मंदिर, दुबौलिया के अन्तर्गत ग्राम बेमहरी में स्थित बाबा परमहंस धाम मंदिर के पर्यटन विकास का औचक निरीक्षण किया। बाबा भदेश्वरनाथ मंदिर के निरीक्षण के दौरान उन्होने पर्यटन अधिकारी विकास नारायण को निर्देशित किया कि आगामी कावड़ यात्रा के दृष्टिगत समस्त आवश्यक तैयारिया समय से पूर्ण कर लिया जाय।

महादेवा स्थित रामजानकी मंदिर के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि लेबर, मिस्त्री द्वारा कार्य नही किया जा रहा है। कार्यदायी संस्था द्वारा बताया गया कि सेटरिंग का कार्य शुरू किया जायेंगा। हर्रैया के अन्तर्गत ग्राम परिवारपुर परमहंस धाम मंदिर यात्री हाल के निरीक्षण के दौरान उन्होने पाया कि निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। प्लास्टर का कार्य अभी शेष है। जिलाधिकारी द्वारा कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया गया कि माह जून तक हरहाल में इस कार्य को पूर्ण कर लिया जाय। उन्होने पर्यटन अधिकारी को निर्देशित किया कि रू. 50 लाख से ऊपर की परियोजनाओं को मीटिंग में अवश्य शामिल किया जाय।

दुबौलिया के अन्तर्गत ग्राम बेमहरी में स्थित बाबा परमहंस धाम मंदिर के निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि पानी की टोटी, सीढियों की रेलिंग का कार्य अभी पूर्ण नही हो पाया है। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि इस कार्य को शीघ्रअतिशीघ्र पूर्ण कर लिया जाय। निरीक्षण के दौरान पर्यटन अधिकारी ने जिलाधिकारी को घाट निर्माण के बारे में अवगत कराया कि सिंचाई विभाग के अनुमति हेतु कार्यदायी संस्था द्वारा पत्र प्रेषित किया गया है, जिसमें स्थानीय लोगो की मांग के अनुसार घाट ड्राइंग को पुनरीक्षित कर पुनः सिंचाई विभाग को अनुमति हेतु दिया गया है, जिसमें कार्यवाही अपेक्षित है। निरीक्षण के दौरान पर्यटन अधिकारी विकास नारायण, स्थानिक अधिशासी अभियन्ता सीएण्डडीएस जय प्रकाश यादव, जल निगम ईकाइ 34 आरसी शुक्ला, सहायक परियोजना प्रबंधक उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लि. गौरव प्रताप सिंह, सहायक अभियन्ता उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम अभय गुप्ता सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

देश में ऐसा आर्थिक आंधी तूफान आने वाला है, जिसमें कुछ नहीं टिकेगा–राहुल गांधी

रायबरेली (आभा)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और संसद ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपनी संसदीय क्षेत्र रायबरेली में केंद्र की मोदी सरकार और देश के प्रमुख उद्योगपतियों अडानी–अंबानी पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने देश की वर्तमान आर्थिक नीतियों पर गहरी चिंता जताते हुए जनता को आगाह किया कि आने वाले दिनों में देश एक ऐसे भयानक आर्थिक संकट का सामना करने जा रहा है, जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की होगी। उन्होंने सीधे शब्दों में कहा कि देश में ऐसा आर्थिक आंधी–तूफान आने वाला है, जिसे हमने अपनी जिंदगी में कभी नहीं देखा होगा। इसमें कुछ नहीं टिकेगा। इसकी चोट मजदूरों, किसानों, देश के युवाओं को लगने वाली है। कोई अमीर इससे प्रभावित नहीं होगा। वह तो अपने महलों में चौन से रहेगा।

राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से देश की इकॉनमी (अर्थव्यवस्था) का ढांचा बदला है, वह आने वाले इस बड़े आर्थिक तूफान के सामने टिक नहीं पाएगा। उन्होंने दुख जताते हुए कहा, ष्इस भयानक आर्थिक तूफान का सबसे बड़ा खामियाजा देश के युवाओं, किसानों, और छोटे व्यापारियों को ही भुगतना पड़ेगा। इस झटके का असर उद्योगपति अडानी–अंबानी या खुद नरेंद्र मोदी पर बिल्कुल नहीं पड़ेगा। वे तो अपने सुरक्षित और बड़े–बड़े महलों में आराम से बैठे रहेंगे, लेकिन असली चोट देश के गरीब मजदूर और छोटे दुकानदार को लगेगी। आने वाला समय बहुत कठिन होने वाला है।ष

जनता से सीधा संवाद करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, ष्मैं पिछले कई महीनों से लगातार चिल्ला–चिल्ला कर कह रहा हूं कि एक बड़ा आर्थिक आंधी–तूफान आ रहा है, जिसके बाद महंगाई आसमान पर चली जाएगी। लेकिन वह कहते हैं कि राहुल गांधी का समझ नहीं है। हम आज भी सरकार से कह रहे हैं कि देश की जनता और अन्नदाता किसानों की रक्षा कीजिए, लेकिन सत्ता में बैठे लोगों को आम जनता की तकलीफों से कोई लेना–देना नहीं है।ष

उन्होंने प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि देश में कोई ठोस कदम उठाने या आर्थिक सुधार करने के बजाय नरेंद्र मोदी देश के लोगों से कह रहे हैं कि कोई भी विदेश यात्रा न करे, जबकि वे खुद हर दूसरे दिन दुनिया भर का दौरा कर रहे हैं।

पीएम मोदी के अपील का असरः ट्रेन से यात्रा के लिये निकले पूर्व विधायक संजय प्रताप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पेट्रोल, डीजल का उपयोग कम करने के आवाहन का असर दिखने लगा है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने ट्रेन से लखनऊ की यात्रा कर उदाहरण प्रस्तुत किया है।

संजय प्रताप जायसवाल ने कहा कि विश्व में चल रहे युद्ध जैसे हालात, बढ़ते वैश्विक संकट और ऊर्जा संसाधनों की चुनौती को देखते हुए पेट्रोल–डीजल की बचत एवं सार्वजनिक परिवहन को अपनाने की अपील वास्तव में दूरदर्शी और राष्ट्रहित में लिया गया महत्वपूर्ण संदेश है। संकट के इस समय में सबको मिलकर सहयोग की भूमिका निभानी होगी। इसी प्रेरणा को आत्मसात करते हुए उन्होने बस्ती से आवश्यक कार्य हेतु ट्रेन द्वारा लखनऊ की यात्रा किया। यह केवल यात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का एक छोटा सा प्रयास है। यदि हम सभी छोटी–छोटी आदतों में बदलाव लाएं, तो देश ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में और अधिक मजबूत बन सकता है। देशहित में सार्वजनिक परिवहन को अपना कर ईंधन बचाएं,पर्यावरण बचाएं, और भारत को सशक्त बनाने में अपनी सहभागिता निभाएं।

तपसी धाम में रक्तदान शिविर के साथ मनाया जायेगा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्म दिन

–विश्व हिन्दू महासंघ की बैठक में बनी रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को विश्व हिन्दू महासंघ की मासिक बैठक हर्रैया तहसील क्षेत्र में स्थित तपसीधाम के सभागार में जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में हिन्दू हितों की रक्षा के साथ ही आगामी 5 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्म दिन अवसर पर रक्तदान शिविर और महामृत्युंजय पाठ कराये जाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में अयोध्या हनुमानगढी के महन्थ राजू दास को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

तपसीधाम के महन्थ जय बक्श दास ने मुख्य अतिथि के रूप में बैठक को सम्बोधित करते हुये कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में सर्व समाज के विकास के साथ ही हिन्दू अस्मिता को नयी पहचान दिया है। उनके जन्म दिन पर रक्तदान का निर्णय सराहनीय है। कहा कि विश्व हिन्दू महासंघ को मजबूत संगठन बनाने के साथ ही हिन्दुत्व की रक्षा के लिये रचनात्मक संघर्ष तेज करना होगा।

बैठक को सम्बोधित करते हुये महासंघ के प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राना ने कहा कि महासंघ निरन्तर समूचे प्रदेश में हिन्दू हितों की रक्षा के लिये प्रतिबद्ध है। महासंघ को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सदैव मार्ग दर्शन मिलता रहता है।

विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने हिन्दू अस्मिता की रक्षा और सनातन परम्परा को मजबूती देने के लिये सर्वाधिक कार्य किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्म दिन आगामी 7 जून को परम्रागत ढंग से पूरी भव्यता के साथ तपसी धाम में मनाया जायेगा।

बैठक को चन्द्रशेखर कमलापुरी, प्रमोद सिंह, सुधीर सिंह, नागेन्द्र सिंह, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी, राजकुमार उर्फ मन्टू चौधरी, मुन्ना सिंह, विजय शंकर शुक्ल, मातृ शक्ति अध्यक्ष पूनम सिंह आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि महासंघ का उद्देश्य स्पष्ट है कि जो हिन्दू हितों की बात करेगा, वही देश पर राज करेगा। इस संकल्प के साथ महासंघ निरन्तर सक्रिय है। ब्लाक स्तर पर संगठन निरन्तर मजबूत हो रहा है, इसे और ताकत देने के लिये सबको मिलकर प्रयास करना होगा।

बैठक में मुख्य रूप से महेश हिन्दूस्थानी, नगेन्द्र सिंह, विपिन सिंह, बालकृष्ण सिंह, उज्जवल सिंह, सुमित शुक्ल, संदीप कमलापुरी, राहुल कमलापुरी, सतीश पाण्डेय, सूरज श्रीवास्तव, अभिषेक आर्य, सौरभ गुप्ता, शैलेश शुक्ल, रूप नरायन गौड़, अमरजीत सिंह, अविनाश शर्मा, अंकित सिंह, रवि शुक्ल, कंचन विश्वकर्मा, अनुसूइया पाण्डेय के साथ ही अनेक पदाधिकारी, सदस्य उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 20 मई 2026 बुधवार

सम्पादकीय

मंहगा होता डीजल, पेट्रोल

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मंगलवार को लगभग 90 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई। एक सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार ईंधन के दाम बढ़ाए गए हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार, ईंधन के दाम बढ़ने के बाद नयी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत बढ़कर 98.64 रुपये प्रति लीटर हो गई जो पहले 97.77 रुपये प्रति लीटर थी। वहीं डीजल की कीमत 90.67 रुपये से बढ़कर 91.58 रुपये हो गई।सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने गत सप्ताह पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया था। चार साल में यह पहला मौका था जब तेल कीमतें बढ़ाई गईं। गैस वितरण कंपनियों ने भी कंप्रेस्ड नेचुरल गैस यानी सीएनजी की कीमतों में 2 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी की है। वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें बीते कुछ महीनों में 50 फीसदी से अधिक बढ़ चुकी हैं। ऐसा पश्चिम एशिया में छिड़ी जंग और होर्मुज स्ट्रेट में ईरान और अमेरिका की नाकाबंदी की बदौलत हो रहा है।

सरकार ने कई कारणों से पेट्रोल–डीजल की मूल्य वृद्धि को टाला लेकिन हर बीतते दिन के साथ ऐसा करना अव्यावहारिक होता जा रहा था। पेट्रोल और डीजल पर विशेष उत्पाद शुल्क में कमी के कारण भी उसे नुकसान हो रहा था। तेल विपणन कंपनियों को रोजाना करीब 1,000 करोड़ रुपये की अंडर रिकवरी का सामना करना पड़ रहा था। कीमतों में इजाफे से उनको कुछ राहत मिलेगी लेकिन वह शायद ही पर्याप्त साबित हो। आने वाले दिनों और सप्ताहों में पेट्रोल–डीजल की पंप कीमतों में और इजाफा करना होगा।

ईंधन की कीमतों में वृद्धि को लेकर चिंताएं समझी जा सकती हैं। ऊंची कीमतों का दबाव समाज के सबसे गरीब वर्गों पर सबसे अधिक पड़ता है। हालांकि सरकार या तेल कंपनियों के लिए लंबे समय तक नुकसान सहना भी संभव नहीं है। भले ही ईंधन की मांग को कम लचीला माना जाता है लेकिन कीमतों में वृद्धि अपील की तुलना में अधिक बचत और संयम को प्रोत्साहित करेगी। कीमत में इजाफे का बोझ अंतिम उपभोक्ता पर डालना ही सबसे विवेकपूर्ण नीति विकल्प है लेकिन इसके अन्य व्यापक आर्थिक परिणाम होंगे जिनका प्रबंधन करना होगा।

तेल की कीमतों का झटका आमतौर पर अफस्फीतिकारी प्रभाव डालता है। दूसरे शब्दों में यह वृद्धि दर को कम करता है और मुद्रास्फीति दर को बढ़ाता है। वर्तमान झटका संभावित रूप से बड़ा प्रभाव डाल सकता है क्योंकि ऊंची कीमतों के अलावा, उपलब्धता भी एक समस्या रही है। उदाहरण के लिए गैस की उपलब्धता।

थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति दर अप्रैल में 8.3 फीसदी तक बढ़ गई जबकि इसके पिछले महीने यह 3.9 फीसदी थी। इसका मुख्य कारण ऊंची ईंधन कीमतें थीं। अप्रैल के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित यानी खुदरा मुद्रास्फीति दर अपेक्षाकृत मामूली स्तर पर 3.5 फीसदी रही, क्योंकि ऊंची तेल कीमतों का सीमित असर उपभोक्ताओं तक पहुंचा। ईंधन की कीमतों में वृद्धि के बाद, अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि खुदरा मुद्रास्फीति दर 4 फीसदी के करीब पहुंच जाएगी।

यह राहत की बात है कि ईरान संघर्ष की शुरुआत में मुद्रास्फीति दरें निचले स्तर पर थीं। चूंकि संघर्ष के शीघ्र समाधान के कोई स्पष्ट संकेत नहीं हैं, ऐसे में ईंधन कीमतों का आगे असर मुद्रास्फीति दर को और बढ़ा देगा। मौद्रिक नीति के संदर्भ में केंद्रीय बैंक आमतौर पर ऊर्जा कीमतों में अचानक वृद्धि को नजरअंदाज करते हैं। हालांकि लगातार ऊंची कीमतें द्वितीयक प्रभाव पैदा कर सकती हैं, जो नीति संबंधी चुनौतियों को बढ़ा सकती हैं।

आने वाले महीनों में रिजर्व बैंक के लिए स्थिति और जटिल हो सकती है क्योंकि इस वर्ष मॉनसून सामान्य से कम रहने की संभावना है। यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो खाद्य और ईंधन की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि मुद्रास्फीति की अपेक्षाओं को प्रभावित कर सकती है। इसलिए मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) को अत्यधिक सतर्क रहना होगा।

योगी का संदेशः सड़क नमाजघर नहीं, कानून सबसे बड़ा धर्म

—अजय कुमार—

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर स्पष्ट और सख्त संदेश दिया है कि सार्वजनिक सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ी जाएगी। इससे पहले भी सीएम योगी आदित्यनाथ कई बार कह चुके हैं कि सड़क पर नमाज नहीं पढ़ी जाएगी और अगर कोई ऐसा करता है, तो कार्रवाई होगी। योगी ने पहले भी कहा था कि सड़क सार्वजनिक जगह है, वहां ट्रैफिक और लोगों की सुविधा प्रभावित नहीं होनी चाहिए। यह बयान कोई नया नहीं है, लेकिन हर बार जब यह मुद्दा उठता है, तो योगी की प्रतिक्रिया और भी कड़ी होती जाती है।दरअसल, हाल ही में हैदराबाद के एक मुस्लिम उपदेशक सैय्यद अयूब ने उत्तर प्रदेश के मुसलमानों को सड़क पर नमाज पढ़ने के लिए उकसाया और सीएम योगी को खुली चुनौती दी। वायरल वीडियो में सैय्यद अयूब ने कहा कि अगर मस्जिदों में जगह कम पड़ जाती है तो लोग सड़कों पर भी नमाज पढ़ सकते हैं, और उन्होंने मुख्यमंत्री को सीधी चुनौती देते हुए कहा कि अगर किसी में हिम्मत है तो मुसलमानों को सड़कों पर नमाज पढ़ने से रोककर दिखाए। इस बयान के बाद राज्य में पुलिस और प्रशासन और भी सतर्क हो गया। लेकिन योगी सरकार ने बिना किसी दबाव के अपना रुख बरकरार रखा कि सड़क किसी के लिए भी नमाज या पूजा की जगह नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में कानून–व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ पर कड़ी चेतावनी देते हुए साफ कहा कि पर्व–त्योहारों के दौरान सार्वजनिक उद्दंडता और माहौल बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर हाल में शांति, सुरक्षा और अनुशासन सुनिश्चित किया जाए और धार्मिक आयोजनों में परंपरागत स्वरूप का ही पालन कराया जाए। ईद–उल–फितर और अलविदा नमाज जैसे बड़े अवसरों पर जब लाखों लोग एकत्रित होते हैं, उस समय भी सरकार ने किसी को भी सड़कों पर कब्जा करने की इजाजत नहीं दी। मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और पुलिस कप्तानों को सीधे निर्देश दिए गए कि संवेदनशीलता के साथ काम करें, लेकिन कानून से कोई समझौता न हो। सड़क पर नमाज के अलावा योगी सरकार मस्जिदों और अन्य धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर के अनियंत्रित उपयोग पर भी सख्त लगाम कसे हुए है। सीएम योगी ने आदेश दिया कि बिना इजाजत के अब लाउडस्पीकर और माइक नहीं लगाए जाएंगे। जो लाउडस्पीकर पहले से इजाजत लेकर लगे हैं, उनकी आवाज धार्मिक परिसर से बाहर नहीं जानी चाहिए। नए धार्मिक स्थलों पर नए माइक लगाने की अनुमति नहीं मिलेगी।

यह आदेश किसी एक धर्म को टारगेट करके नहीं था। यह सभी धार्मिक स्थलों पर समान रूप से लागू किया गया। मंदिर हो, मस्जिद हो या गुरुद्वारा, सबके लिए एक ही नियम। योगी सरकार की सख्ती के बाद धार्मिक स्थलों पर लगे 17 हजार लाउडस्पीकरों की आवाज धीमी हो गई और 125 जगहों से लाउडस्पीकर हटा भी दिए गए। गौरतलब हो कि साल 2023 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर यूपी में 61,399 लाउडस्पीकर चेक किए गए। योगी सरकार के आने के बाद धार्मिक स्थलों से होने वाले ध्वनि प्रदूषण पर सख्ती की गई। मुख्यमंत्री ने विधानसभा सत्र में कहा था कि सरकार ने बेवजह के ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित किया है और सभी धर्मों के लोगों ने स्वेच्छा से लाउडस्पीकर हटाए हैं। बहरहाल, योगी सरकार ने केवल बयानों तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि जमीन पर ठोस कार्रवाई भी की। नेपाल सीमा से लगे जनपदों में यूपी सरकार ने अवैध रूप से बनी मस्जिदों, मजारों, ईदगाहों और मदरसों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। प्रशासन ने पिछले कुछ समय में 350 से अधिक अवैध धार्मिक स्थलों को चिह्नित कर सीलिंग और ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया को अंजाम दिया। जिन जिलों में यह कार्रवाई हुई, उनमें श्रावस्ती, बहराइच, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, पीलीभीत, बलरामपुर और लखीमपुर खीरी शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर चला अवैध कब्जा मुक्त अभियान यह संदेश देता है कि प्रदेश की जमीन पर अनधिकृत कब्जा, चाहे किसी भी धर्म के नाम पर हो, बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।गौरतलब हो कि सड़क पर नमाज और लाउडस्पीकर जैसे मुद्दे योगी सरकार की एक बड़ी रणनीति के हिस्से हैं, और वह रणनीति है जीरो टॉलरेंस। 2017 से राज्य में डकैती, लूट, दंगा, हत्या, अपहरण और बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में 85 फीसदी तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के कारण उत्तर प्रदेश की कानून–व्यवस्था में बड़े पैमाने पर सुधार हुआ है। 68 माफिया और उनके करीब 1500 सहयोगियों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है और 142 अरब रुपये की अवैध संपत्ति जब्त की गई है। ये आंकड़े बताते हैं कि जिस यूपी को कभी माफियाओं का अड्डा माना जाता था, वहां अब कानून का राज स्थापित हो चुका है।

यूपी की छवि कुछ वर्ष पहले तक एक ऐसे राज्य के रूप में थी, जहाँ अलग–अलग क्षेत्रों में माफियाओं और बाहुबलियों का दबदबा था। उन्हें या तो राजनीतिक संरक्षण प्राप्त था या वे खुद राजनेता बन गए थे। लेकिन देश के सबसे बड़े सूबे में योगी सरकार आने के बाद यहाँ की तस्वीर बदल गई। सरकारी दावों की पुष्टि एनसीआरबी के राष्ट्रीय स्तर के आंकड़े भी कर रहे हैं। एनसीआरबी की वर्ष 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय क्राइम रेट 252.3 के मुकाबले यूपी का क्राइम रेट केवल 180.2 है। देश की लगभग 17 प्रतिशत आबादी उत्तर प्रदेश में रहती है, लेकिन कुल अपराधों के मामले में राज्य का स्थान 18वां है। यूपी के डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में आधुनिक पुलिस स्टेशन, एंटी रोमियो स्क्वॉड, महिला हेल्प डेस्क, फास्ट ट्रैक कोर्ट और संगठित अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई ने प्रदेश में कानून–व्यवस्था को मजबूत किया है।पश्चिम बंगाल के नेता सुवेंदु अधिकारी भी पश्चिम बंगाल में उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ वाला मॉडल लागू करने की बात करते नजर आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार पहले से ही सड़कों पर नमाज पढ़ने को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए है और सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति धार्मिक जमावड़ों पर रोक लागू है। यह योगी मॉडल की सबसे बड़ी सफलता मानी जा रही है। जब अन्य राज्यों की सरकारें यूपी की नीतियों की नकल करने लगें, तो समझिए कि काम हो रहा है। लब्बोलुआब यह है कि योगी आदित्यनाथ का यह रुख कि सड़क किसी की निजी जायदाद नहीं है, न नमाज के लिए और न किसी अन्य धार्मिक कार्यक्रम के लिए, दरअसल संविधान की भावना के अनुरूप है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में कानून–व्यवस्था को सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि बीते वर्षों में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण, माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पुलिस व्यवस्था में सुधार से प्रदेश में निवेश का माहौल बेहतर हुआ है। आज का उत्तर प्रदेश वह नहीं है जहाँ अपराधी खुलेआम घूमते थे, जहाँ माफिया राजनीति को नियंत्रित करते थे, जहाँ सड़कें रात को बंद हो जाती थीं। आज का यूपी एक ऐसा प्रदेश बन रहा है जहाँ सबके लिए एक कानून है और उस कानून के सामने न कोई माफिया टिका, न कोई अतिक्रमणकारी और न कोई सड़क पर नमाज पढ़ने की जिद करने वाला।

कार पर सस्ता, शिक्षा पर ब्याज भारी क्यों?

— डॉ. प्रियंका सौरभ—

भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा को हमेशा राष्ट्र निर्माण का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है। हम अक्सर यह कहते हैं कि युवा देश का भविष्य हैं, शिक्षा समाज की रीढ़ है और ज्ञान ही विकास का आधार है। लेकिन जब व्यवहारिक व्यवस्था को देखा जाता है, तो तस्वीर कुछ और दिखाई देती है। विडंबना यह है कि आज भारत में कार खरीदना आसान होता जा रहा है, लेकिन उच्च शिक्षा प्राप्त करना लगातार कठिन और महँगा होता जा रहा है। बैंक आपको नई कार खरीदने के लिए आकर्षक ब्याज दरों पर तुरंत ऋण देने को तैयार मिल जाएंगे, परंतु वही बैंक जब किसी विद्यार्थी को शिक्षा ऋण देते हैं, तो ब्याज दरें बढ़ जाती हैं, नियम कठोर हो जाते हैं और भविष्य को जोखिम मान लिया जाता है। यह स्थिति केवल बैंकिंग प्रणाली की तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि हमारी सामाजिक और आर्थिक प्राथमिकताओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न भी है।

आज भारत में उच्च शिक्षा का खर्च सामान्य परिवारों की सामर्थ्य से तेजी से बाहर होता जा रहा है। मेडिकल, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, लॉ, निजी विश्वविद्यालयों की पढ़ाई या विदेश में शिक्षाकृहर क्षेत्र में फीस लाखों में पहुँच चुकी है। मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए वर्षों की बचत लगा देते हैं, गहने बेचते हैं, भविष्य निधि तोड़ते हैं, फिर भी शिक्षा ऋण लेने की आवश्यकता पड़ती है। लेकिन दुखद स्थिति यह है कि जिस शिक्षा से एक युवा का भविष्य बनना है, उसी पर सबसे अधिक ब्याज का बोझ लाद दिया जाता है। कार लोन की ब्याज दरें कई बार शिक्षा ऋण से कम होती हैं। अर्थात एक उपभोक्ता वस्तु खरीदना शिक्षा प्राप्त करने से सस्ता पड़ता है। यह केवल आर्थिक असंतुलन नहीं, बल्कि सामाजिक सोच की भी त्रासदी है।

बैंकिंग व्यवस्था का तर्क यह होता है कि कार लोन सुरक्षित होता है क्योंकि वाहन बैंक के लिए गिरवी संपत्ति का काम करता है। यदि ऋण लेने वाला व्यक्ति भुगतान न करे, तो कार जब्त की जा सकती है। लेकिन शिक्षा ऋण में बैंक के पास कोई भौतिक संपत्ति नहीं होती। वहाँ केवल छात्र की योग्यता, उसकी डिग्री और उसका भविष्य होता है। इसलिए बैंक इसे जोखिमपूर्ण निवेश मानते हैं। यह तर्क बैंकिंग दृष्टि से भले सही प्रतीत हो, लेकिन राष्ट्रीय दृष्टि से अत्यंत संकीर्ण है। किसी भी राष्ट्र के लिए सबसे बड़ा निवेश उसकी युवा पीढ़ी होती है। एक छात्र जब डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, शिक्षक, शोधकर्ता या प्रशासक बनता है, तो उसका लाभ केवल व्यक्तिगत नहीं होता, पूरा समाज उससे लाभान्वित होता है। ऐसे में शिक्षा ऋण को केवल व्यापारिक उत्पाद की तरह देखना दूरदर्शिता नहीं कहलाएगा।

वर्तमान समय में शिक्षा ऋण केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि मानसिक दबाव का कारण भी बनता जा रहा है। लाखों विद्यार्थी पढ़ाई पूरी होने से पहले ही ईएमआई और ब्याज की चिंता में घिर जाते हैं। नौकरी मिलने से पहले ही कर्ज का भय उन्हें परेशान करने लगता है। कई छात्र अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुसार करियर चुनने के बजाय केवल अधिक वेतन वाली नौकरियों की ओर इसलिए भागते हैं ताकि ऋण चुका सकें। परिणामस्वरूप शोध, अध्यापन, साहित्य, सामाजिक सेवा और कला जैसे क्षेत्रों में प्रतिभाशाली युवाओं की संख्या घटती जा रही है। समाज धीरे–धीरे केवल वेतन आधारित सफलता का समर्थक बनता जा रहा है।

इस समस्या का सबसे अधिक प्रभाव भारतीय मध्यमवर्ग पर पड़ता है। आर्थिक रूप से संपन्न परिवार महँगी शिक्षा का खर्च आसानी से उठा लेते हैं। गरीब वर्ग के लिए सरकार की कुछ योजनाएँ और छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध होती हैं। लेकिन सबसे अधिक संघर्ष उस वर्ग को करना पड़ता है जो "गरीब" की श्रेणी में नहीं आता, फिर भी लाखों रुपये की फीस वहन करने में सक्षम नहीं होता। ऐसे परिवारों के लिए शिक्षा ऋण मजबूरी बन जाता है। एक पिता पूरी जिंदगी की कमाई बेटे या बेटी की पढ़ाई में लगा देता है, इस उम्मीद के साथ कि शिक्षा भविष्य को सुरक्षित करेगी। लेकिन जब उसी शिक्षा पर भारी ब्याज लग जाता है, तो वह सपना धीरे–धीरे आर्थिक बोझ में बदलने लगता है।

आज भारत में शिक्षा का निजीकरण तेजी से बढ़ा है। सरकारी संस्थानों की सीमित सीटों के कारण लाखों छात्रों को निजी कॉलेजों का रुख करना पड़ता है। वहाँ फीस इतनी अधिक होती है कि सामान्य परिवारों के लिए बिना ऋण के पढ़ाई संभव नहीं रह जाती। कई बार छात्र केवल फीस और ब्याज के कारण अपने सपनों के संस्थान छोड़ देते हैं। प्रतिभा आर्थिक क्षमता के सामने हार जाती है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक और प्रगतिशील समाज के लिए चिंताजनक है।

यह भी विचारणीय है कि आज के समय में शिक्षा केवल व्यक्तिगत प्रगति का माध्यम नहीं रही, बल्कि आर्थिक और सामाजिक अस्तित्व की आवश्यकता बन चुकी है। बिना उच्च शिक्षा के बेहतर रोजगार प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। ऐसे में यदि शिक्षा ही महँगी और ऋण बोझिल होगा, तो सामाजिक असमानता और बढ़ेगी। जो परिवार आर्थिक रूप से मजबूत हैं, वे आगे निकल जाएंगे, जबकि सीमित साधनों वाले प्रतिभाशाली छात्र पीछे छूटते चले जाएंगे। यह केवल व्यक्ति की हानि नहीं होगी, बल्कि देश अपनी संभावित प्रतिभाओं को खो देगा।

भारत सरकार को इस दिशा में गंभीर और दीर्घकालिक कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले शिक्षा ऋण की ब्याज दरों को नियंत्रित किया जाना चाहिए। यदि सरकार वाहन उद्योग, रियल एस्टेट और अन्य क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए विशेष आर्थिक नीतियाँ बना सकती है, तो शिक्षा जैसे मूलभूत क्षेत्र के लिए अलग वित्तीय नीति क्यों नहीं बनाई जा सकती? शिक्षा ऋण पर ब्याज न्यूनतम होना चाहिए और पढ़ाई पूरी होने तक ब्याज स्थगन की व्यवस्था व्यापक स्तर पर लागू की जानी चाहिए।

इसके अतिरिक्त रोजगार मिलने तक ऋण पुनर्भुगतान में लचीलापन होना चाहिए। वर्तमान व्यवस्था में कई छात्रों पर डिग्री पूरी होते ही ईएमआई का दबाव शुरू हो जाता है, जबकि नौकरी मिलने में समय लग सकता है। यह मानसिक तनाव युवाओं की ऊर्जा और आत्मविश्वास दोनों को प्रभावित करता है। यदि सरकार और बैंक छात्रों को कुछ वर्षों का व्यावहारिक समय दें, तो वे अपने करियर को अधिक स्थिरता के साथ शुरू कर पाएंगे।

शिक्षा ऋण के साथ करियर आधारित सहायता मॉडल भी विकसित किए जाने चाहिए। उदाहरण के लिए यदि कोई छात्र शोध, अध्यापन, सामाजिक सेवा या ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करना चाहता है, तो उसके ऋण में विशेष छूट दी जा सकती है। इससे समाज के आवश्यक लेकिन कम वेतन वाले क्षेत्रों में भी प्रतिभाशाली युवाओं का आकर्षण बना रहेगा।

दुनिया के कई विकसित देशों में शिक्षा को सामाजिक निवेश माना जाता है। वहाँ सरकारें छात्रों को कम ब्याज पर ऋण, छात्रवृत्ति और आय आधारित पुनर्भुगतान जैसी सुविधाएँ देती हैं। भारत में भी यदि हम "विश्वगुरु" बनने की कल्पना करते हैं, तो हमें युवाओं को कर्ज के भय से मुक्त करना होगा। केवल भाषणों और नारों से ज्ञान आधारित समाज नहीं बनता, उसके लिए व्यवहारिक आर्थिक समर्थन भी आवश्यक होता है।

यह सच है कि बैंकिंग व्यवस्था को भी अपने आर्थिक हित देखने होते हैं, लेकिन शिक्षा को केवल लाभ–हानि के चश्मे से नहीं देखा जा सकता। कार सड़क पर चलती है, लेकिन शिक्षा समाज को आगे बढ़ाती है। वाहन सुविधा देता है, लेकिन ज्ञान राष्ट्र का भविष्य गढ़ता है। यदि कार लोन सस्ता और शिक्षा ऋण महँगा है, तो यह हमारी प्राथमिकताओं के असंतुलन का संकेत है।

लाहौर को फिर मिलने लगी हिंदू नाम वाली पहचान

—संजय सक्सेना—

लाहौर जिसे पाकिस्तान का दिल कहा जाता है, उस लाहौर की आत्मा साझी सांस्कृतिक विरासत का जीता–जागता गवाह भी है। रावी के किनारे बसा यह शहर सदियों तक हिंदू, सिख, मुसलमान और बौद्ध सभ्यताओं की साझा थाती रहा है। 1947 से पहले लाहौर में हिंदू और सिख आबादी की एक बड़ी हिस्सेदारी थी। बाजारों में लक्ष्मी की पूजा होती थी, गली–गली में कृष्ण के मंदिर थे, जैन व्यापारियों के चौक पर धर्म की चर्चा होती थी। इन मोहल्लों, चौकों और सड़कों के नाम उस जीवंत समाज की भाषा बोलते थे–कृष्णनगर, संतनगर, लक्ष्मी चौक, जैन मंदिर चौक, धर्मपुरा आदि। लेकिन 1947 में विभाजन की आग ने सब कुछ बदल दिया। बंटवारे के बाद लाखों हिंदू और सिख परिवार रातों–रात अपनी जड़ें छोड़कर भारत आ गए। उनके जाने के साथ उनके नाम भी धीरे–धीरे मिटने लगे। विशेष रूप से 1990 के दशक में जब पाकिस्तान में धार्मिक कट्टरपंथ की लहर अपने चरम पर थी, इन ऐतिहासिक नामों को व्यवस्थित रूप से बदला जाने लगा। जहाँ कभी लक्ष्मी चौक की रौनक थी, वहाँ मौलाना जफर चौक का बोर्ड लग गया। जैन मंदिर चौक को बाबरी मस्जिद चौक का नाम दे दिया गया। कृष्णा नगर इस्लामपुरा बन गया। धर्मपुरा, मुस्तफाबाद हो गया। यह बदलाव महज नामों का परिवर्तन नहीं था,यह एक सभ्यता की स्मृति को जानबूझकर मिटाने की कोशिश थी,लेकिन पाकिस्तान की आजादी के करीब 78 साल बाद, इतिहास एक अप्रत्याशित करवट ले रहा है।

लाहौर प्रशासन ने पिछले दो महीनों के भीतर 9 प्रमुख जगहों के इस्लामी नाम बदलकर उन्हें पुराने हिंदू और ब्रिटिश काल के मूल नामों पर बहाल कर दिया है। इस पहल को लाहौर हेरिटेज एरिया रिवाइवल नाम दिया गया है और यह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की देखरेख में शुरू की गई है। इसका उद्देश्य लाहौर के पुराने इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना है। इसी के चलते लाहौर नगर निगम के रिकॉर्ड और सड़कों पर अब यह इतिहास दर्ज हो चुका है। इस्लामपुरा को कृष्णनगर, सुजतनगर को संतनगर और मौलाना जफर चौक को लक्ष्मी चौक का नाम वापस मिल गया है। बाबरी मस्जिद चौक अब जैन मंदिर चौक, मुस्तफाबाद अब धर्मपुरा, और सर आगा खान चौक अब डेविस रोड कहलाएगा। इसके अलावा अल्लामा इकबाल रोड को जेल रोड, फातिमा जिन्ना रोड को क्वींस रोड और बाग–ए–जिन्ना को फिर से लॉरेंस गार्डन का पुराना नाम दे दिया गया है। इन परिवर्तनों के साथ ही शहर में नए बोर्ड भी लगा दिए गए हैं। एक ऐसा दृश्य जो कुछ साल पहले तक कल्पना से परे लगता था।

इस पूरी पहल के पीछे जो सबसे बड़ा नाम है, वह है पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज शरीफ। मार्च 2025 में स्थापित लाहौर अथॉरिटी फॉर हेरिटेज रिवाइवल के संरक्षक–प्रमुख नवाज शरीफ हैं और मरियम नवाज इसे कार्यकारी निगरानी प्रदान करती हैं। इस संस्था का वार्षिक बजट 635 मिलियन रुपये आवंटित किया गया है। मरियम नवाज की सोच यह है कि लाहौर की असली ताकत उसकी बहुसांस्कृतिक विरासत में है। 48 औपनिवेशिक इमारतों की बहाली का काम चल रहा है और भाटी गेट, शालीमार बाग, और शाहदरा कॉम्पलेक्स जैसे प्रमुख स्थल भी इस पुनरुद्धार योजना में शामिल हैं।

बहरहाल,यह कदम केवल भावनात्मक नहीं है।इसके पीछे कुछ बुनियादी बातें भी छिपी हैं। इसमें पर्यटन और अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने की राजनीतिक समझ भी काम कर रही है। लाहौर को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने की महत्वाकांक्षा भी इस योजना के पीछे एक प्रेरणा है, जो बात सबसे अधिक चौंकाती है, वह यह है कि इस बड़े बदलाव पर पाकिस्तान के अंदर से कोई बड़ा विरोध नहीं उठा।

मल्हनी फुलवरिया लूटकांड का खुलासाः चार आरोपी गिरफ्तार, तीन नाबालिग संरक्षण में भेजे गए, ज्वेलरी और वाहन बरामद

संवाददाता—महराजगंज। पुरन्दरपुर पुलिस, स्वाट, एसओजी और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में मल्हनी फुलवरिया लूट कांड का मंगलवार को पुलिस कार्यालय में पर्दाफाश किया गया। पुलिस ने 4 शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है जबकि 3 बाल अपचारियों को पुलिस संरक्षण में ले लिया गया। लूट की ज्वेलरी, लूटी गई मोटरसाइकिल समेत कुल 4 मोटरसाइकिलें और अन्य सामान बरामद किया गया। कुल बरामदगी की अनुमानित कीमत करीब 2.50 लाख रुपये है। 14 मई को थाना पुरन्दरपुर क्षेत्र के मल्हनी फुलवरिया के पास बदमाशों ने अपाचे मोटरसाइकिल चला रहे व्यक्ति रंजीत सोनी पर हमला कर उसकी बाइक और ज्वेलरी लूट ली थी। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया और टीम गठित की गई। एएसपी सिद्धार्थ ने बताया की इस लूट की मुख्य साजिशकर्ता सनोज वर्मा था।

इसके साथ समीर अहमद, राजन उर्फ भोलू मौर्या और मुकेश कुमार ने प्लान बनाया। घटना से दो दिन पहले और एक दिन पहले दो—दो बाल अपचारियों ने दुकानदार रंजीत सोनी की रेकी की। उन्होंने दुकान खुलने, बंद होने और आने—जाने के समय की पूरी जानकारी सनोज वर्मा, समीर, राजन और मुकेश को दी। घटना के दिन भी बाल अपचारियों ने सुबह और शाम रेकी की। घटना वाले दिन अभियुक्तों ने भगवानपुर—मल्हनी फुलवरिया मोड़ पर रंजीत सोनी पर अंग्रेजी शराब की बोतल से हमला कर बाइक व ज्वेलरी छीन ली। लूटी गई ज्वेलरी की पहचान छिपाने के लिए सनोज वर्मा ने उसे गला दिया। बाद में सभी ने तय किया कि मामला शांत होने पर माल का बंटवारा किया जाएगा। 19 मई की रात करीब 1 बजे मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने मधुकपुर महदेवा स्थित पुराने पंचायत भवन के पास घेराबंदी कर 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया और 3 बाल अपचारियों को संरक्षण में लिया। उनके कब्जे से 799 ग्राम चांदी, 1.3 ग्राम सोना, लूटी गई टीवीएस अपाचे सहित कुल 4 मोटरसाइकिलें, कटर और इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद हुए। सनोज वर्मा (20 वर्ष), ग्राम इलाहाबास, थाना कोल्हुई , समीर अहमद (21 वर्ष), ग्राम दुबौलिया, थाना बृजमनगंज , राजन उर्फ भोलू मौर्या (18 वर्ष), ग्राम मैनहवा, थाना कोल्हुई ,मुकेश कुमार (19 वर्ष), ग्राम मटियहनवा, थाना बृजमनगंज के रुप में किया गया है।वही समीर अहमद के खिलाफ पहले भी मुकदमे दर्ज हैं।

तीसरे बड़े मंगलवार पर भंडाराः राम जानकी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

संवाददाता—कुशीनगर। जिले के रविंद्र नगर धूस स्थित श्री राम जानकी मंदिर में तीसरे बड़े मंगलवार के अवसर पर एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। भक्तों ने भगवान श्रीराम, माता जानकी और बजरंगबली की पूजा—अर्चना कर क्षेत्र की सुख—समृद्धि और शांति की कामना की। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। पूरे वातावरण में धार्मिक भजनों और जयकारों की गूंज से भक्तिमय माहौल बना रहा। भंडारे में दूर—दराज से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन समिति के सदस्यों और स्थानीय युवाओं ने श्रद्धालुओं की सेवा में सक्रिय रूप से भाग लिया। महिलाओं ने भी प्रसाद वितरण और व्यवस्था संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भंडारे में खिचड़ी, पूड़ी—सब्जी और हलवा सहित विभिन्न प्रकार के प्रसाद की व्यवस्था की गई थी, जिसे श्रद्धालुओं ने अनुशासनपूर्वक पंक्तिबद्ध होकर ग्रहण किया। आयोजकों ने बताया कि बड़े मंगलवार के अवसर पर ऐसे धार्मिक कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित किए जाते हैं। इनका उद्देश्य लोगों में आस्था और भाईचारे की भावना को मजबूत करना है। इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति और समाजसेवी भी उपस्थित रहे। उन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देते हैं।

मकान सूचीकरण शुरू

संवाददाता—देवरिया। जनगणना 2027 के पहले चरण का मकान सूचीकरण और गणना कार्य शुरू हो गया है। सलेमपुर तहसील क्षेत्र के विभिन्न ब्लॉकों में फील्ड ट्रेनर और सुपरवाइजर अपनी टीमों के साथ यह कार्य कर रहे हैं। इसमें हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (एचएलबी) का सीमांकन, नजरी नक्शा तैयार करना और भवनों की क्रमवार नंबरिंग शामिल है। फील्ड ट्रेनर और सुपरवाइजर डॉ. गोविंद मिश्रा, शिशिर राय, अरविंद कश्यप, मयंक पांडेय, जावेद अंसारी, मुकेश यादव और कन्हैया ने प्रगणकों के साथ मिलकर विभिन्न क्षेत्रों में कार्य का शुभारंभ किया। अधिकारियों के अनुसार, शुरुआती तीन दिनों में सीमांकन और नक्शा तैयार करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है, ताकि आगे का सर्वे व्यवस्थित ढंग से हो सके। 22 मई से प्रगणक घर—घर जाकर 34 बिंदुओं पर आधारित जानकारी जुटाएंगे। यह सभी आंकड़े एचएलओ मोबाइल ऐप के जरिए डिजिटल रूप से दर्ज किए जाएंगे। प्रशासन का कहना है कि इस बार जनगणना प्रक्रिया को पूरी तरह तकनीक आधारित और पारदर्शी बनाया जा रहा है। जनगणना कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए तहसील स्तर पर हेल्प डेस्क भी बनाई गई है। यहां सुपरवाइजर और प्रगणक अपनी समस्याएं बता सकेंगे, जिनका तुरंत समाधान किया जाएगा। इस बीच, प्रशासन ने जनगणना के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी से लोगों को सावधान रहने की अपील की है। लार ब्लॉक के उकिना गांव में फील्ड ट्रेनर एवं सुपरवाइजर शिशिर राय ने ग्रामीणों को जागरूक करते हुए बताया कि जनगणना के दौरान कोई ओटीपी या फोन पर व्यक्तिगत जानकारी नहीं मांगी जाती है।

कांग्रेस देश को विकास की नई दिशा देगीः भाजपा पर साधा निशाना

संवाददाता—देवरिया। सलेमपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय में मंगलवार को ब्लॉक अध्यक्षों की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजयशेखर मल्ल 'रोशन' ने की। बैठक में संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष विजयशेखर मल्ल ने कहा कि देश के विकास में कांग्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी और लोगों को केवल भ्रमित किया है। मल्ल ने दावा किया कि कांग्रेस ही देश को सर्वांगीण विकास की राह पर आगे बढ़ा सकती है। मल्ल ने सभी ब्लॉक एवं मंडल अध्यक्षों को निर्देश दिए कि वे अपने—अपने क्षेत्रों में बूथ अध्यक्षों से लगातार संपर्क बनाए रखें। उन्होंने जनता की समस्याओं को जानकर उनके समाधान के लिए प्रयास करने को कहा। साथ ही, एसआईआर के बाद जिन मतदाताओं का नाम सूची में शामिल नहीं हो पाया है, उनका नाम जुड़वाने के लिए अभियान चलाने का निर्देश दिया।

जिला उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र पांडेय ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ संगठन को मजबूत करने में लगे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी आगामी चुनावों में नई ऊर्जा के साथ मैदान में उतरेगी। वहीं, जिला उपाध्यक्ष भरत मणि त्रिपाठी ने कार्यकर्ताओं से कांग्रेस की जनहितकारी नीतियों को गांव—गांव तक पहुंचाने की अपील की। बैठक में जिला उपाध्यक्ष सुनील तिवारी, सलेमपुर ब्लॉक अध्यक्ष मनीष कुमार रजक, बरहज से मुजफ्फर हुसैन मंसूरी, लार से वजीर अहमद, भागलपुर से डॉ. रमेश कुशवाहा, बनकटा से बृजेश यादव, भटनी से धर्मवीर भारती, भलुअनी से के.के. तिवारी, परमानन्द प्रसाद, मोजाहिद लारी और सैयद फिरोज अहमद सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहे।

हेकामुद्दीन हत्याकांड में न्याय की मांगः एआईएमआईएम ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता—महराजगंज। लक्ष्मीपुर देऊरवां निवासी हेकामुद्दीन की संदिग्ध मौत के मामले में न्याय की मांग तेज हो गई है। ऑल इंडिया मजलिस—ए—इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, हेकामुद्दीन 10 मई की रात अपने घर से निकले थे। अगले दिन, 11 मई की सुबह उनका शव गांव के पास एक पुलिया के नीचे मिला था। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और कानून व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है, जिससे परिजनों और स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। इसी के मद्देनजर एआईएमआईएम ने यह कदम उठाया। एआईएमआईएम के जिलाध्यक्ष सरवर खान के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में हेकामुद्दीन हत्याकांड में तत्काल एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की गई है। प्रतिनिधिमंडल ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आमजन का कानून व्यवस्था से भरोसा उठ जाएगा।

जिलाध्यक्ष सरवर खान ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए और दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया।

इस मौके पर सफी मोहम्मद (प्रभारी सदर विधानसभा), वसी अहमद (अध्यक्ष सदर विधानसभा), मोहिउद्दीन सिद्दीकी (यूथ जिलाध्यक्ष), सलीमुल्लाह खान, मौलाना अलीशेर (जिला सचिव), सूरज गुप्ता (कोषाध्यक्ष), रमजान अली, सैफ अली खान, मुबारक अली (जिला सदस्य), सनौवर, जियाउल, हाफिज अली हसन खान (जिला संगठन मंत्री), मोहित और संजय सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

डीएम ने अफसरों को दिया अल्टीमेटम, विकास कार्य शत—प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति की जाय

संवाददाता—श्रावस्ती। जिलाधिरी अन्नपूर्णा गर्ग की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों और सीएमआईएस पोर्टल पर निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने खराब रैंकिंग वाले विभागों के प्रति कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने और शत—प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और योजनाओं की प्रगति की नियमित निगरानी की जाएगी। बैठक में बताया गया कि अप्रैल 2026 में श्रावस्ती जनपद की विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंक 26 रही। मार्च 2026 में कुल 85 कार्यक्रमों में से 48 कार्यक्रम 'ए' श्रेणी में, 1 'बी', 6 'सी' और 2 'डी' श्रेणी में दर्ज किए गए, जबकि 28 कार्यक्रम 'एनए' श्रेणी में रहे।

अतिरिक्त ऊर्जा, अल्पसंख्यक कल्याण, कृषि, ऊर्जा, ग्रामीण अभियंत्रण, दुग्ध विकास, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, प्राथमिक शिक्षा, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, पशुधन, पिछड़ा वर्ग कल्याण, मत्स्य, महिला एवं बाल विकास, माध्यमिक शिक्षा, लोक निर्माण, श्रम एवं सेवायोजन, सहकारिता तथा सिंचाई एवं जल संसाधन विभागों ने श्एश ग्रेड प्राप्त किया। दूसरी ओर, ग्राम्य विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पंचायती राज, पर्यटन, समाज कल्याण, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम तथा लोक शिकायत (निर्माण कार्य) विभागों के कार्यक्रम 'बी', 'सी' और 'डी' श्रेणी में रहे। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना में जनपद प्रदेश के अंतिम पांच जिलों में शामिल रहा। हालांकि, नई सड़कों का निर्माण और अनुसूचित जनजाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना प्रदेश के शीर्ष पांच में रहीं। सीएमआईएस पोर्टल पर एक करोड़ रुपये से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं को तत्काल हैंडओवर कराने और एक वर्ष से अधिक समय से लंबित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा कराने का आदेश दिया।

डीएम की चौपाल में अफसरों की क्लास, कहा— कोई गरीब आवास से वंचित मिला तो होगी कार्रवाई

संवाददाता—बलरामपुर। जिले के विकास खंड बलरामपुर की ग्राम पंचायत झहौना में मंगलवार को जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने चौपाल लगाई। इस दौरान उन्होंने सीधे ग्रामीणों से संवाद किया, सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत जानी और उनकी समस्याएं सुनीं। डीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। चौपाल में जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और मुख्यमंत्री आवास योजना की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांव का कोई भी गरीब परिवार बिना छत के नहीं रहना चाहिए। डीएम ने साफ किया कि यदि पात्रता के बावजूद किसी को योजना का लाभ नहीं मिलता है, तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे भी चौपाल में उठाए गए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि गांव का कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर न रहे। इसके अतिरिक्त, गर्भवती महिलाओं और बालिकाओं के लिए नियमित पोषाहार और टीकाकरण सुनिश्चित करने तथा पशुओं के टीकाकरण अभियान को तेज करने के निर्देश भी दिए गए। चौपाल के बाद जिलाधिकारी ने गांव की गलियों और संपर्क मार्गों का निरीक्षण किया। उन्होंने खड़ंजा और चकरोड निर्माण कार्यों की गुणवत्ता तथा प्रगति का मौके पर जायजा लिया और अधिकारियों से इस संबंध में जवाब—तलब भी किया। ग्रामीणों ने भूमि विवादों से संबंधित अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। इस पर डीएम ने कहा कि गांव की शांति और सौहार्द बिगाड़ने वाले विवादों का समाधान आपसी संवाद और निष्पक्ष कार्रवाई के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने मौके पर मौजूद उपजिलाधिकारी को निर्देश दिए कि दोनों पक्षों के बीच समन्वय स्थापित कर विवादों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। चौपाल के दौरान ग्राम पंचायत सचिवालय में संचालित लाइब्रेरी विशेष चर्चा का विषय रही। जिलाधिकारी लाइब्रेरी की व्यवस्था और उसके संचालन से काफी प्रभावित हुए। उन्होंने पंचायत सहायक निहारिका की खुले मंच से सराहना की और इसे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए श्प्रेरणा केंद्रश बताया। डीएम ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र—छात्राओं से लाइब्रेरी का अधिकतम उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि ऐसी पहलें गांवों के भविष्य को नई दिशा दे सकती हैं। इस दौरान जिला विकास अधिकारी कमलेश सोनी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश रस्तोगी, उपजिलाधिकारी हेमंत गुप्ता, खंड शिक्षा अधिकारी अशोक पाठक, विभिन्न विभागों के अधिकारी, ग्राम प्रधान और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सीडीओ ने शिक्षा योजनाओं की समीक्षा कीः गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शत—प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश

संवाददाता—कुशीनगर। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) वंदिता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। इसमें बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं, छात्र नामांकन, निपुण भारत मिशन तथा विद्यालयों की शैक्षिक गुणवत्ता की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में श्स्कूल चलो अभियानश के तहत नए छात्र—छात्राओं के नामांकन की प्रगति पर चर्चा हुई। सीडीओ ने अधिक से अधिक बच्चों का विद्यालयों में प्रवेश सुनिश्चित कराने पर जोर दिया। कक्षा 8 से 9 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के सत्यापन कार्य की स्थिति की भी समीक्षा की गई। सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को यह कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई भी पात्र छात्र प्रवेश से वंचित न रहे।

'निपुण भारत मिशन' के अंतर्गत निपुण विद्यालयों की स्थिति पर भी चर्चा हुई। विद्यार्थियों में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया गया। सीडीओ ने विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण विकसित करने तथा बच्चों की सीखने की क्षमता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करने को कहा।

आउट ऑफ स्कूल बच्चों को चिन्हित कर उन्हें पुनः विद्यालयों में नामांकित कराने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि ऐसे बच्चों की सूची तैयार कर विशेष अभियान के माध्यम से उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। दिव्यांग बच्चों की प्रतिदिन ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने की समीक्षा करते हुए नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए गए। आरटीई (शिक्षा का अधिकार) के तहत निजी विद्यालयों में बच्चों के नामांकन प्रतिशत की समीक्षा की गई और लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने को कहा गया। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं, संसाधनों और टेंडर प्रक्रिया की भी समीक्षा हुई। बैठक में जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार पांडेय, जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक प्रियदर्शी, जिला विद्यालय निरीक्षक श्रवण कुमार सहित कई संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

एंटी करप्शन टीम ने डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को किया गिरफ्तार

संवाददाता—बहराइच। एंटी करप्शन टीम गोंडा ने एक डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पर आधार सेवा केंद्र और सीएससी कॉमन सेंटर बंद न कराने के एवज में प्रतिमाह रिश्वत मांगने का आरोप है। नगर कोतवाली इलाके में नगर पालिका कार्यालय के पास रिश्वत लेने का आरोपी का वीडियो भी सामने आया था। देहात कोतवाली क्षेत्र के बहादुर चक गांव निवासी राजेंद्र कुमार ने एंटी करप्शन टीम गोंडा के निरीक्षक धनंजय सिंह को शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि लखनऊ निवासी आशुतोष पांडे, जो सीएससी कॉमन सेंटर और आधार सेवा केंद्र के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर हैं, आधार सेंटर चलाने के लिए उनसे हर महीने 10 हजार रुपये की मांग कर रहे थे। शिकायत के बाद टीम ने मंगलवार को नगर पालिका के पास जाल बिछाया। टीम ने आशुतोष पांडे को राजेंद्र कुमार से 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। निरीक्षक धनंजय सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ नगर कोतवाली में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। टीम आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। आरोपी को पकड़ने के लिए एंटी करप्शन टीम के सदस्यों ने अपनी वेशभूषा बदल ली थी, ताकि आरोपी को उन पर शक न हो सके।

दो बाइकों की टक्कर, एक घायल

संवाददाता—बलरामपुर। थाना महाराजगंज तराई क्षेत्र में परसपुर चौराहे के पास दो बाइकों की आमने—सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, एक बाइक पर थाना ललिया का निवासी सवार था, जबकि दूसरी बाइक पर थाना हरैया का एक नाबालिग लड़का था। नाबालिग लड़का रामनगर ग्राम पंचायत में टेंट लगाने जा रहा था। बताया जा रहा है कि संतुलन बिगड़ने के कारण यह भीषण हादसा हुआ।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि ललिया की ओर से आ रहे युवक को गंभीर चोटें आईं और उसके कपड़े भी फट गए। बाइक को भी काफी नुकसान पहुंचा है। हालांकि, इस घटना में किसी की जान को कोई खतरा नहीं हुआ और दोनों लोग बाल—बाल बच गए।

घायल व्यक्ति को 108 एम्बुलेंस बुलाकर अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। घायल युवक ने थाना महाराजगंज तराई को सूचना देते हुए अपनी क्षतिग्रस्त बाइक की मरम्मत और इलाज का खर्च उठाने की मांग की है। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों पक्षों को समझा—बुझाकर भेज दिया गया।

ज्येष्ठ माह के बड़े मंगल पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धा, जगह—जगह हुए भंडार

संवाददाता—श्रावस्ती। गिलौला क्षेत्र में ज्येष्ठ माह के बड़े मंगल के अवसर पर मंगलवार को श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। इस दौरान विभिन्न मंदिरों, चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर भगवान हनुमान जी की विधि—विधान से पूजा—अर्चना की गई। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने बजरंगबली को चोला चढ़ाकर पूजा की और सुख—समृद्धि की कामना की।

गिलौला कस्बा सहित आसपास के कई गांवों और प्रमुख चौराहों पर विशाल भंडारों का आयोजन किया गया। इन भंडारों में श्रद्धालुओं और राहगीरों को छोले—पूरी, छोले—चावल, चना, हलवा और लड्डू का प्रसाद वितरित किया गया।

जगह—जगह युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं की टोलियां सेवा कार्यों में जुटी रहीं। भक्तों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया, जिससे श्जय श्री रामश और श्बजरंगबली की जयश के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

मंगलवार होने के कारण हनुमान मंदिरों को विशेष रूप से सजाया गया था। कई स्थानों पर सुंदरकांड पाठ और भजन—कीर्तन का भी आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं का मानना है कि ज्येष्ठ माह के बड़े मंगल पर हनुमान जी की पूजा करने से संकट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

क्षेत्र के बुजुर्गों ने बताया कि बड़े मंगल की यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और हर वर्ष लोग इसमें बढ़—चढ़कर हिस्सा लेते हैं। इस अवसर पर सामाजिक एकता और भाईचारे की मिसाल भी देखने को मिली, जहां सभी वर्गों के लोगों ने मिलकर सेवा और भंडारे में सहयोग किया।

एक्सईएन बोले— सारी बाबूगिरी 2 मिनट में निकल जाएगी

संवाददाता—गोण्डा। जिले में बिजली विभाग के एक कैंप के दौरान टेंट न लगाए जाने को लेकर अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) और एक बड़े बाबू के बीच तीखी बहस हो गई। इस विवाद का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बिजली विभाग के मुख्य अभियंता ने मामले की जांच के लिए समिति गठित की है। यह घटना आर्यनगर विद्युत उपकेंद्र पर आयोजित एक कैंप के दौरान हुई। करनैलगंज के अधिशासी अभियंता रणवीर सिंह ने आर्यनगर उपकेंद्र में तैनात कार्यकारी सहायक दिग्विजय सिंह को टेंट न लगाने पर फटकार लगाई। आरोप है कि एक्सईएन ने दिग्विजय सिंह से फोन पर धमकी भरे लहजे में बात की और अपशब्दों का भी प्रयोग किया। दोनों अधिकारियों के बीच हुई बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए गोंडा बिजली विभाग के मुख्य अभियंता यदुनाथ यथार्थ ने तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने पूरे प्रकरण की जांच के लिए दो सदस्यीय कमेटी का गठन किया है।

इस जांच कमेटी में गोंडा विद्युत कार्य मंडल के अधीक्षण अभियंता सुशील कुमार यादव को अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि उपमुख्य लेखाधिकारी बासु ब्रह्म महेंद्र को कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया है।

अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

संवाददाता—गोण्डा। मंगलवार को सरकारी कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध कब्जे को को लेकर के बड़ी कार्रवाई की गई है। कर्नलगंज तहसील और जिला प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर यहां पर अवैध कब्जा करके बनाए गए मकान और अस्थाई निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया है।

यह कार्रवाई करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र के सेहारिया कला गांव में की गई। इस दौरान तीन मकान और कुछ अस्थाई निर्माण ध्वस्त किए गए है। अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए करनैलगंज और जिला प्रशासन की टीम मौके पर मौजूद थी।

कौड़िया, खरगूपुर और इटियाथोक समेत तीन थानों की पुलिस फोर्स की मौजूदगी में यह पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। प्रशासन के अनुसार, अवैध कब्जा करने वालों को कई बार नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन उन्होंने कब्जा नहीं हटाया।

इन लोगों ने सरकारी जमीन पर अवैध रूप से मकान बनाकर कब्जा कर रखा था और अस्थाई निर्माण भी किए थे। कब्रिस्तान पर अवैध कब्जा होने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था कई बार शिकायत की गई थी जहां शिकायत के आधार पर ही यह कार्रवाई हुई है।

एसडीएम करनैलगंज नेहा मिश्रा ने बताया कि यह कब्रिस्तान की जमीन थी, जिस पर अवैध कब्जा किया गया था। उन्होंने कहा कि नोटिस के बावजूद कब्जा न हटाने पर यह कार्रवाई की गई। मिश्रा ने चेतावनी दी कि यदि दोबारा अवैध कब्जा किया गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों से स्वतः कब्जा हटाने की अपील भी की।

भाजपा की बैठक में संगठन मजबूती पर जोरः कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क बढ़ाने और योजनाओं को घर–घर पहुंचाने का अपील

संवाददाता–संतकबीरनगर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला कार्यालय पर सेक्टर एवं बूथ स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष नीतू सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष नीतू सिंह ने कहा कि पार्टी की मजबूती बूथ स्तर से ही सुनिश्चित होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठित होकर कार्य करने, केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर–घर तक पहुंचाने तथा आम जनता से निरंतर संवाद बनाए रखने का आह्वान किया। श्रीमती सिंह ने जोर दिया कि प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है और उनकी सक्रिय भागीदारी से संगठन को नई ऊर्जा मिलती है।

जिला महामंत्री कौशलेंद्र सिंह ने बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सेक्टर और बूथ स्तर पर बेहतर तालमेल स्थापित करना ही संगठन की सफलता की कुंजी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से नियमित बैठकें आयोजित करने, मतदाता संपर्क अभियान तेज करने तथा स्थानीय समस्याओं को पार्टी मंच तक पहुंचाने की अपील की।

बैठक के दौरान भविष्य के संगठनात्मक कार्यक्रमों को गति देने के लिए एक विस्तृत पत्रावली तैयार करने का निर्णय लिया गया। इसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में पार्टी गतिविधियों को योजनाबद्ध तरीके से संचालित करना है। जिलाध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' और 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को 'मन की बात' सामूहिक रूप से सुनने और उससे प्रेरणा लेकर सामाजिक कार्यों में भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर महामंत्री गणेश पांडेय, अनिरुद्ध निषाद, विनोद पांडेय, वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश मिश्र, अनिरुद्ध शुक्ला, बब्बन शर्मा, सुनीता अग्रहरी, संगीता वर्मा, ज्ञानेंद्र मिश्र, अमर राय, किरण, उषा पांडेय, तारा राय, कपिलदेव, अत्रिमुनी, अनिल, हैप्पी, भूपेन्द्र, कन्हैया वर्मा, राजू भारती, रामनैन, विजय बहादुर, अरविंद सिंह, गंगाराम, दीपक शुक्ला, लालबहादुर, संतलाल, दिनेश, ओमप्रकाश, बीरेन्द्र शुक्ला, पीयूष सिंह, मीडिया प्रभारी दुर्गा पांडेय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

झपटमारी गैंग का पर्दाफाश, 4 महिलाओं समेत 5 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–संतकबीरनगर। पुलिस ने झपटमारी की एक घटना का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें चार महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक सोने की चेन और घटना में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की है। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह ने इस पूरे प्रकरण की जानकारी दी। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली खलीलाबाद जय प्रकाश दुबे के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने सूती मिल मगहर के दक्षिणी तिराहा मोहम्मदपुर कठार के पास से इन पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया। ई–रिक्शा में बैठकर महिलाओं को निशाना बनाते थे गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजेश यादव (निवासी बाछापार, गोरखपुर) और अनिता, मुस्कान उर्फ आंचल, आरती एवं नेहा के रूप में हुई है। ये सभी अलग–अलग स्थानों के निवासी हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे एक गिरोह बनाकर भीड़भाड़ वाले इलाकों, ई–रिक्शा और टैम्पू में बैठकर महिलाओं को निशाना बनाते थे। मौका मिलते ही वे गले से चेन छीनकर फरार हो जाते थे। घटना 15 मई 2026 की सुबह करीब 8रू30 बजे हुई थी। भुजैनी निवासी सचिदानंद त्रिपाठी की पत्नी रीता त्रिपाठी महादेवा बाजार जा रही थीं। कांटे पुलिस चौकी के आगे बूंधा प्राइमरी स्कूल के पास ऑटो में बैठी तीन महिलाओं ने उन्हें पकड़कर गले से चेन झपट ली। इसके बाद वे पहले से तैयार एक कार में बैठकर मौके से फरार हो गईं थी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सायरा पत्नी सफीक अहमद ग्राम– कम्हरिया पोस्ट– बेईली थाना कलवारी तहसील व जिला बस्ती (उ.प्र.) की निवासिनी हूं। वोटर लिस्ट में मेरा नाम सहवन साजरूनिशा पत्नी सफीक अहमद दर्ज करा दिया गया था जो गलत है। मेरे सभी पहचान पत्रों, प्रमाण–पत्र, अभिलेखों में मेरा नाम सायरा पत्नी सफीक अहमद है। मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय।

कार्यालय ग्राम पंचायत टिकरी वि.खं. रुधौली, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **टिकरी** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **टिकरी** के निविदा बाक्स में दिनांक 25–05–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 01:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 20–05–2026 से दिनांक 24–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **टिकरी** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **टिकरी** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **टिकरी** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(श्रीमती निर्मला)
प्रधान
ग्राम पंचायत–**टिकरी**

(सतीश चन्द्र गौतम)
सचिव
ग्राम पंचायत–**टिकरी**

गीता प्रेस के उत्तरी गेट से सटे नाले में सिल्ट देख नगर आयुक्त नाराज

संवाददाता–गोरखपुर। जलभराव की समस्या मानसून में नहीं रहे इसे लेकर नगर आयुक्त ने मंगलवार को प्रमुख नालों का निरीक्षण किया। नगर आयुक्त अजय जैन ने रेती चौक, साहबगंज किराना मंडी, मिर्जापुर पंपिंग स्टेशन से होते हुए हनुमान गढ़ी मंदिर के पीछे से जाकर तकियाघाट में मिलने वाले बड़े नाले की सफाई का निरीक्षण किया गया। नगर आयुक्त को निरीक्षण में गीता प्रेस के उत्तरी गेट के पास नाला पूरी तरह से कूड़े एवं सिल्ट से भरा मिला। जोनल अधिकारी द्वारा बताया गया कि यहां नाले के ऊपर पक्के स्लैब बने हुए हैं। नाले की सफाई के लिए छोटे छोटे चौंबर बने हुए है, यहां पोकलेन एवं जेसीबी से नाले की सफाई नहीं हो पाती है। मैनुअल ही सफाई कर्मचारियों से नाले की सफाई कराई जाती है। नगर आयुक्त ने नाले के ऊपर बने पक्के स्लैब को तोड़कर तुरंत सफाई कार्य शुरू करने का निर्देश दिया। नाले के ऊपर 2–2 फिट चौड़ाई के स्लैब रखे जाए, जिससे भविष्य में भी नाले की सफाई आसानी से हो सके। इसके अतिरिक्त नगर आयुक्त महोदय द्वारा पूरे नाले की बैरिकेडिंग एवं स्लैब से ढकने के लिए अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया गया। नगर आयुक्त ने हनुमान गढ़ी मंदिर के पीछे तकियाघाट में जाकर मिलने वाले कच्चे नाले का निरीक्षण किया गया। कच्चे नाले में पानी रुका हुआ मिला। पूरा नाला जलकुंभी एवं सिल्ट से भरा हुआ था। नगर आयुक्त ने प्रत्येक जोन से 01–01 बड़ी पोकलेन मशीन लगाकर इस नाले के एंड प्वाइंट तकियाघाट से ही इस नाले की विधिवत सफाई का निर्देश दिया। इसके बाद नगर आयुक्त ने तकियाघाट से राप्ती नदी तक नगर निगम द्वारा फाइटो रेमेडिएशन विधि से कराए जा रहे नाले के शोधन कार्य का भी निरीक्षण किया। नाले में जगह जगह जमा हुए सिल्ट एवं पानी को साफ करने के लिए रखे गए बोल्डर के बांध की सफाई कराते हुए इसे मेंटेन करने का निर्देश दिया।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी कन्हैयालाल पुत्र राम अजोर ग्राम व पोस्ट– पोखरा थाना– नगर जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरे तीन पुत्र क्रमशः प्रदीप कुमार, श्रीकान्त व अनूप कुमार है। प्रदीप कुमार, अनूप कुमार साथ रहकर प्रार्थी की सेवा करते हैं किन्तु श्रीकान्त अपनी पत्नी कुसुम व बच्चों के साथ अलग रहता है। श्रीकान्त की पत्नी कुसुम का चाल, चलन, व्यवहार परिवार के प्रति ठीक नहीं है। आये दिन कलह किया करती है। श्रीकान्त भी उसी का सुनता है। इसे देखते हुये मैं दिनांक 19–05–2026 से श्रीकान्त उसकी पत्नी कुसुम व बच्चों को अपने परिवार व चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी कृत्य, लेन देन, वाद विवाद आदि के लिये अब वे स्वंय जिम्मेदार होंगे। प्रकाशन इसलिये करा रहा कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

कार्यालय ग्राम पंचायत मझौवा कला द्वितीय वि.खं. रुधौली, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **मझौवा कला द्वितीय** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **मझौवा कला द्वितीय** के निविदा बाक्स में दिनांक 25–05–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 20–05–2026 से दिनांक 24–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **मझौवा कला द्वितीय** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **मझौवा कला द्वितीय** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **मझौवा कला द्वितीय** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(द्रोपदी)
प्रधान
ग्राम पंचायत–**मझौवा कला द्वितीय**

(सतीश चन्द्र गौतम)
सचिव
ग्राम पंचायत–**मझौवा कला द्वितीय**

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान जिला अधिकारी/ जिला मजिस्ट्रेट बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 184/2026
धारा 30 (2) उ0प्र0रा0सं0–2006
विश्राम
बनाम
मंहगी आदि

1. मंहगी पुत्र सूर्यबली निवासी पुरैना तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती 2. छोटेलाल पुत्र प्रसाद 3. दिलीप कुमार पुत्र बिक्रीलाल 4. रामतीरथ पुत्र टीहुल 5. शैलेन्द्र कुमार पुत्र बिक्रीलाल 6. श्रीमती ऊषा देवी पत्नी बिक्रीलाल 7. श्रीमती बासमती पत्नी टीहुल 8. सत्येन्द्र कुमार पुत्र बिक्रीलाल 9. सिकन्दर पुत्र साकिनान सिसवारी तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती 10. हरि प्रकाश पुत्र सोमई प्रधान ग्राम पंचायत सिसवारी तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 22–05–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 22 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–361/2024
अनारी देवी उर्फ अनारकली आदि
बनाम
शिव कुमार आदि

1–शिव कुमार उम्र लगभग 35 साल पुत्र लालचन्द्र उर्फ लथेरू 2–रघुनन्दन उम्र लगभग 30 साल पुत्र लालचन्द्र उर्फ लथेरू निवासीगण मौजा महरीपुर तप्पा दुबखरा परगना बस्ती पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण

तारीख पेशी 20–05–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्ताई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अस्तित्व बचाने वाला टेराकोटा अब 'लोकल से ग्लोबल', शिल्पकारों के घर आई खुशहाली

संवाददाता–गोरखपुर। नौ साल पूर्व तक जिस टेराकोटा शिल्प के सामने अस्तित्व बचाने की चुनौती थी, वही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओडीओपी योजना से 'लोकल' से 'नेशनल' और ग्लोबल बाजार तक मजबूत पहचान बना रही है। सीएम योगी की ब्रांडिंग से टेराकोटा का कारोबार लगातार निखर रहा है। टेराकोटा के शिल्पकार अब पूरे साल काम में व्यस्त रहते हैं। वर्तमान समय में ये शिल्पकार दशहरा और दीपावली के त्योहार को लेकर मिले एडवांस ऑर्डर की सप्लाई के लिए उत्पाद तैयार करने में दिनरात जुटे हुए हैं। शिल्पकारों का अनुमान है कि आगामी त्योहारी सीजन में दस करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होगा। टेराकोटा बाजार के विस्तार और इससे जुड़े शिल्पकारों के आर्थिक उत्थान का श्रेय योगी सरकार की एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना और सीएम योगी द्वारा अनेक मंचों से की गई ब्रांडिंग को जाता है। ओडीओपी का प्लेटफार्म मिलने से टेराकोटा शिल्प के कारोबार ने ऐसी रफ्तार पकड़ी है कि अब उसकी पहुंच देश के कोने कोने तक हो रही है।

ओडीओपी में शामिल होने के बाद टेराकोटा शिल्पकारों को संसाधनगत, वित्तीय व तकनीकी मदद तो मिली तो इसका बाजार दिनोंदिन बढ़ता गया। इलेक्ट्रिक चाक, पगमिल, डिजाइन टेबल आदि मिलने से शिल्पकारों का काम आसान और उत्पादकता तीन से चार गुना हो गई। गुणवत्ता में सुधार अलग से।

वर्तमान में टेराकोटा के मूल गांव औरंगाबाद के साथ ही गुलरिहा, भरवलिया, जंगल एकला नंबर–2, अशरफपुर, हाफिज नगर, पादरी बाजार, बेलवा, बालापार, शाहपुर, सरैया बाजार, झुंगिया, झंगहा क्षेत्र के अराजी राजधानी आदि गांवों में टेराकोटा शिल्प का काम वृहद स्तर पर चल रहा है। ओडीओपी में शामिल होने के बाद बाजार बढ़ने से करीब एक तिहाई नए लोग भी टेराकोटा के कारोबार से जुड़े हैं। गोरखपुर में वर्तमान में 500 से अधिक परिवार टेराकोटा उद्यम से जुड़े हुए हैं। टेराकोटा की मांग और बाजार के संबंध में राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत शिल्पकार राजन प्रजापति बताते हैं कि दशहरा और दीपावली को लेकर साल के शुरुआत में ही भरपूर ऑर्डर मिल चुका है।

टेराकोटा के सजावटी उत्पादों की सर्वाधिक मांग देश के दूसरे राज्यों के शहरों अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली व राजस्थान के कई शहरों से है। अभी भी देश के विभिन्न हिस्सों से लगातार आर्डर मिल रहे हैं, जिससे उत्पादन में तेजी लाई गई है। त्योहारी सीजन को देखते हुए कारीगर दिन–रात मेहनत कर रहे हैं। उनके परिवार के सभी सदस्य इस काम में हाथ बंटा रहे हैं, ताकि तय समयसीमा में सभी आर्डर पूरे किए जा सकें। राजन बताते हैं कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से टेराकोटा का काम इतना बढ़ गया है कि तनिक भी फुर्सत नहीं मिल पा रही। कभी स्थानीय बाजार में ही उत्पाद नहीं बिक पाते थे जबकि आज हमारे उत्पाद की मांग पूरे देश में हैं। 2017 के पहले तक टेराकोटा शिल्पकारों के पास संसाधनों का अभाव था। वह सारा काम हाथ से करते थे। ओडीओपी में शामिल होने के बाद उन्हें इलेक्ट्रिक चाक मिले, पगमील मशीन मिली। हस्तचालित चाक की तुलना में इलेक्ट्रिक चाक पर तेजी से कलाकृतियां बन जाती हैं। जबकि पगमील के जरिए 24 घंटे के बराबर मिट्टी की गुथाई एक घंटे में हो जाती है।

इसका असर यह हुआ कि जितने उत्पाद एक दिन तैयार होते थे, अब उतने दो घंटे में बन जाते हैं। पूंजी का संकट दूर करने के लिए भारी अनुदान पर आसानी से ऋण मिल जाने से काम और भी आसान हो गया। शिल्पकारों को संसाधन उपलब्ध कराने साथ ही सरकार ने बड़ा बाजार दिलाने के लिए इसकी ब्रांडिंग भी की। बड़े महानगरों में तमाम प्रदर्शनी लगवाई, शिल्पकारों को पुरस्कार देकर उत्साहित किया। राष्ट्रपति सहित अन्य बड़ी हस्तियों को भेंट करने के लिए टेराकोटा के उत्पादों को प्राथमिकता दी।

लिव इन में रहने वाला पिता सौतेली बेटी को लेकर भागा, चार साल से आरोपी के साथ रह रही थी लड़की की मां

संवाददाता–गोरखपुर। हरपुर बुदहट थाना इलाके में रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जहां लिव–इन रिलेशन में रह रहा एक व्यक्ति अपनी 19 वर्षीय सौतेली बेटी को लेकर भाग गया। घटना को लेकर युवती की मां ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस से बेटी की सुरक्षित खोजने की गुहार लगाई है। तहरीर में महिला ने बताया कि वह पिछले चार वर्षों से आरोपी के साथ लिव–इन रिलेशन में रह रही थी। महिला की पहली शादी से दो बच्चे हैं। उसका पहला पति उसे छोड़कर दिल्ली में रह रहा है। इस दौरान आरोपी ही मां–बेटी की देखभाल करता था और परिवार के सदस्य की तरह घर में रहता था। आरोपी की पहले से शादी हो चुकी है और उसकी पहली पत्नी से तीन बच्चे भी हैं। महिला का आरोप है कि कुछ दिन पहले आरोपी उसकी 19 वर्षीय बेटी को अपने साथ लेकर अचानक कहीं चला गया। काफी तलाश के बाद भी दोनों का कोई पता नहीं चल सका। पीड़िता की मां को आशंका है कि उसकी बेटी को आरोपी बहला–फुसलाकर या दबाव बनाकर अपने साथ ले गया है। घटना के बाद परिवार गहरे सदमे में है और परिजन लगातार युवती की सुरक्षित वापसी की मांग कर रहे हैं। सीओ गीडा योगेंद्र सिंह ने बताया कि हरपुर बुदहट पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी और युवती की तलाश के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
(आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय–श्रीमान अपर जिला जज /ई0सी0 एक्ट बस्ती जिला बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0–71/2026
मो0 सुल्तान आदि
बनाम
कुतबुल्लाह आदि

1. कुतबुल्लाह उम्र लगभग 51 वर्ष पुत्र स्व0 शाह मोहम्मद 2. महमूद आलम उम्र लगभग 47 वर्ष 3. महबूब आलम उम्र लगभग 45 वर्ष 4. नूर आलम उम्र लगभग 35 वर्ष 5. नबी आलम उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्रगण स्व0 अजीजुल्लाह 6. श्रीमती आबिदा खातून उम्र लगभग 65 वर्ष पत्नी स्व अजीजुल्लाह 7. अब्दुल कुद्दूस उम्र लगभग 61 वर्ष 8. अब्दुल जब्बार उम्र लगभग 57 वर्ष पुत्रगण स्व. शाह मोहम्मद सभी निवासीगण ग्राम रमवापुर कला तप्पा नवाई पोस्ट कौड़ीकोल परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 272131

तारीख पेशी 21–05–2026

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 05 के 21 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 क माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
(आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0–399/2022
गंगाराम आदि
बनाम
खलील आदि

1/1 रियाज उम्र करीब 58 वर्ष 1/2 अब्दुल वाहिद उम्र करीब 54 वर्ष 1/3 शाह मोहम्मद उम्र करीब 48 वर्ष पुत्रगण खलील 1/4 शहनाज खातून उम्र करीब 40 वर्ष पुत्री खलील 4. शमीम उम्र करीब 29 वर्ष 5. नसीम उम्र करीब 36 वर्ष पुत्रगण दारे उर्फ सूबेदार 7. कमील उम्र करीब 60 साल पुत्र खलील निवासीगण ग्राम चौरी तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

तारीख पेशी 22–07–2026

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 07 के 22 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2026 के 05 माह के 19 दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

स्कॉर्पियो की ठोकर से स्कूटी सवार युवक की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। झंगहा थाना क्षेत्र के राजधानी स्थित चूड़ीहार टोला में मंगलवार दोपहर बोलेरो की टक्कर से स्कूटी सवार 40 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गईं। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस जांच में जुटी है।राजधानी शाहिद अब्दुल्ला टोला निवासी फिरोज सुबह करीब 11 बजे अपनी 65 वर्षीय मां बदरू निशा को स्कूटी पर बिठाकर राजधानी चौराहे की ओर जा रहा था। इसी बीच राजधानी की ओर से घटुली घाट जा रही तेज रफ्तार बोलेरो ने सामने से स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में फिरोज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी मां बदरू निशा गंभीर रूप से घायल हो गईं।

स्थानीय लोगों ने तत्काल एंबुलेंस बुलाकर घायल महिला को जिला अस्पताल भेजवाया। मृतक फिरोज अपने पीछे पत्नी बेगम और पांच बच्चों का भरा–पूरा परिवार छोड़ गया। बच्चों में सुजान (19 वर्ष), सानिया (17 वर्ष), सिमरन (14 वर्ष), साहिब (11 वर्ष) और जया (7 वर्ष) शामिल हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com